Gujarat Board Textbook Solutions Class 8 Hindi पुनरावर्तन 2 Sem 1

निम्नलिखित परिच्छेद पढ़ो और इस विषय पर अपने साथियों से पूछने के लिए तीन प्रश्न बनाओ :

समय बहुत कीमती है। गया हुआ धन वापस मिल सकता है, पर बीता हुआ समय कभी वापस नहीं लौट सकता। इसलिए समय धन से भी अधिक मूल्यवान है। हमें समय का सदुपयोग करना चाहिए। समय के सदुपयोग द्वारा ही हम जीवन में आगे बढ़ सकते हैं। परिश्रम करना ही समय का सबसे अच्छा उपयोग है।

उत्तर :

(1) समय धन से भी अधिक मूल्यवान क्यों है?

(2) समय के सदुपयोग से क्या लाभ होता है?

(3) समय का सबसे अच्छा उपयोग क्या है?

नीचे दिए गए शब्दों में से संज्ञा, सर्वनाम और विशेषण पहचानकर वर्गीकृत कीजिए और उनका वाक्य में प्रयोग कीजिए :

पर्वत, उसको, मीठा, नदी, तुम्हें, सूरत, बाल, नर्मदा, सुंदर, बड़ा, मेहनती, हम, भारत

उत्तर :

(1) संज्ञा : पर्वत, नदी, सूरत, बाल, नर्मदा, भारत

(2) सर्वनाम : उसको, तुम्हें, हम

(3) विशेषण : मीठा, सुंदर, बड़ा, मेहनती

वाक्य:

(1) पर्वत : मेरा गाँव सह्याद्रि पर्वत की तलहटी में है।

नदी : हमारे गाँव के पास गंगा नदी बहती है।

सूरत : सूरत एक अच्छा शहर है।

बाल : काले बाल अच्छे लगते हैं।

नर्मदा : नर्मदा नदी पर कई बाँध बनाए गए हैं।

भारत : भारत मेरा देश है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(2) उसको : आपने उसको क्या दिया?
तुम्हें : मैंने तुम्हें कई पत्र लिखे।
हम : हम कुछ करके दिखाएँगे।

(3) मीठा : शरबत बहुत मीठा है।
सुंदर : आपकी रचना सचमुच सुंदर है।
बड़ा : हमारे घर के सामने एक बड़ा पेड़ है।
मेहनती : मेहनती आदमी कभी भूखा नहीं मरता।

कोष्ठक में दिए गए अव्ययों को सही स्थान पर रखिए :

(ऊपर, अभी, यहाँ-वहाँ, अधिक, की ओर, धीरे-धीरे)
(1) मोनिका ....खाना बना रही थी।
(2) हवाई जहाज .... उड़ रहा है।
(3) दिनभर .... देखा।
(4) शिक्षक ने विद्यार्थी ....देखकर कहा।
(5) काम .... करो, बातें कम।
(6) बिल्ली .... बाहर निकल गई।
उत्तर :
(1) धीरे-धीरे
(2) ऊपर
(3) यहाँ-वहाँ
(4) की ओर
(5) अधिक
(6) अभी

मौखिक उत्तर दीजिए :

प्रश्न 1. आपके परिवार में से आपको कौन सबसे ज्यादा पसंद है? क्यों?
उत्तर :
मेरे परिवार में से मुझे अपनी दादीजी सबसे ज्यादा पसंद है।
दादीजी बहुत शांत और सरल स्वभाव की हैं। वे एक स्कूल की प्रिंसिपल थीं, इसलिए आज भी वे बहुत अनुशासनप्रिय हैं। गणित, विज्ञान और अंग्रेजी उनके प्रिय विषय हैं। दादीजी के कारण ही मुझे कहीं

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

ट्यूशन लेने नहीं जाना पड़ता। वे घर पर ही बड़े प्रेम से मुझे पढ़ाती हैं। मुझमें जो अच्छी आदतें हैं, वे सब मेरी दादीजी के ही कारण हैं। महापुरुषों की कहानियाँ सुनाकर वे मुझे भी उनकी तरह बनने के लिए प्रेरित करती हैं। उनकी जिंदादिली के कारण घर के वातावरण में बड़ी रौनक बनी रहती है। जब वे कहीं जाती हैं, तब मुझे बहुत सूनापन लगता है। इसलिए परिवार में मेरी पसंद की व्यक्ति दादीजी ही हैं।

प्रश्न 2. आपके गाँव / शहर के बारे में दस-बारह वाक्य लिखिए।

उत्तर :

मेरे गाँव का नाम सरदारपुरा है।

यह रूपा नदी के किनारे बसा है। गाँव की आबादी लगभग पाँच हजार है। इनमें अधिकतर लोग किसान हैं। हमारा गाँव प्रगतिशील है। यहाँ अनाज की बड़ी मंडी है। मंडी के कारण किसानों के उत्पादन अच्छे दामों बिक जाते हैं। इसलिए गाँव के किसान हर तरह से सुखी हैं। गाँव में एक विद्यालय है। इसमें एस. एस. सी. तक की पढ़ाई होती है। गाँव की पंचायत ने सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और जल-आपूर्ति के लिए अच्छे प्रयत्न किए हैं। वृक्षारोपण की प्रवृत्ति के कारण हमारा हराभरा गाँव नंदनवन जैसा लगता है।

प्रश्न 3. आपको पसंद हो ऐसी फिल्म का नाम बताकर संक्षेप में उसकी कहानी लिखिए।

उत्तर :

मेरी पसंद की फिल्म है – 'तारे जमीन पर'।

इसमें दस-बारह वर्ष का एक विद्यार्थी है। उसको स्कूल की पढ़ाई में रुचि नहीं है। चित्रों या कलाकृतियों के प्रति उसका अधिक आकर्षण है। एक अध्यापक पढ़ाई में उस विद्यार्थी की अरुचि का पता लगाता है। उसकी रुचि मालूम होने पर वह उसे चित्र बनाने के लिए देता है। धीरे-धीरे चित्रकला में उसकी एकाग्रता बढ़ जाती है। बाद में इसी एकाग्रता का उपयोग पढ़ाई में कर वह एक अच्छा विद्यार्थी बन जाता है।

प्रश्न 4. यदि सूरज न निकले तो क्या होगा?

उत्तर :

यदि सूरज नहीं निकलता, तो यह दुनिया ही नहीं होती।

यदि सूरज न निकलता तो सुबह न होती और हमें पक्षियों का कलरव सुनने को न मिलता। धरती पर प्रकाश भी न होता। धरती पर अँधेरा ही छाया रहता। धरती पर वनस्पति मुरझा जाती। फूल-फल पर बुरा असर पड़ता। सूरज न निकलने पर वर्षा भी नहीं होती। खेतों में फसलें नहीं लहलहातीं। जब जल और अन्न न होता तो यह जीवसृष्टि भी नहीं होती।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्रश्न 5. यदि आप गाँव के सरपंच होते तो...

उत्तर :

यदि मैं अपने गाँव का सरपंच होता तो मेरे गाँव की यह हालत न होती . जो आज है। आज गाँव में न अच्छी सड़कें हैं, न जल-आपूर्ति की उचित व्यवस्था है। न स्कूल है, न दवाखाना। गाँववालों को अपनी छोटी-मोटी जरूरतें पूरी करने के लिए निकट के शहर जाना पड़ता है। यदि मैं गाँव का सरपंच होता तो गाँव को शहर से जोड़नेवाली सड़क पक्की .. बनवाता। गाँव में कुओं की जगह नल-कूपों द्वारा स्वच्छ जल की आपूर्ति होती। गाँव में हाईस्कूल तक की शिक्षा की व्यवस्था होती। ग्रामपंचायत की ओर से एक दवाखाना होता। गाँव के भवानी मंदिर का अब तक पुनर्निर्माण हो गया होता। सचमुच, यदि मैं अपने गाँव का सरपंच होता तो अपने गाँव को एक आदर्श गाँव में बदल देता।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in